



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 47]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 2, 1994/माघ 13, 1915

No. 47] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 2, 1994/MAGHA 13, 1915

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1994

सा.का.नि. 56 (अ) :—केंद्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पत्तन न्यासी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में मद्रास पत्तन न्यास कर्मचारी (त्यौहार और प्राकृतिक संकट के लिए अग्रिम की मंजूरी) विनियम, 1994 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी.आर.-12012/23/92-पी.ई.-1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (त्यौहार और प्राकृतिक संकट के लिए अग्रिम की मंजूरी) विनियम, 1994

महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, विद्यमान अग्रिम की मंजूरी के लिए योजना का प्रतिस्थापित करने हुए मद्रास पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड निम्नलिखित विनियम बनाता है :—

1. लघु शीर्ष

ये विनियम मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (त्यौहार और प्राकृतिक संकट के लिए अग्रिम की मंजूरी) विनियम, 1994 के नाम से कहलाएंगे।

2. परिभाषा

इन विनियमों के तहत जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो निम्नलिखित का वही अर्थ होगा जैसा कि नीचे दशोया गया है :—

(ए) “अधिनियम” से तात्पर्य अधिनियम, 1963 से है।

(बी) “लेखा अधिकारी” से तात्पर्य है बोर्ड का वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी या लेखा विभाग के ऐसा अन्य अधिकारी जिसे उनकी तरफ से नामित किया गया हो।

(सी) "अध्यक्ष", "उपाध्यक्ष" तथा "विभागाध्यक्ष" का वही अर्थ होगा जो कि महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 में दिया गया है।

(डी) वर्ग-1, 2, 3 और 4 के पदों का वही अर्थ होगा जैसा कि समय-समय पर बोर्ड द्वारा जारी की गई कर्मचारी अनुसूची में बताया गया है।

(ई) "मंजूरी प्राधिकारी" से तात्पर्य इन विनियमों में संलग्न अनुसूची में निर्धारित प्राधिकारी से होगी।

(एफ) "अग्रिम" से तात्पर्य इन विनियमों के प्रयोजन हेतु त्यौहार अग्रिम और प्राकृतिक संकट जैसे बाढ़/अकाल/तूफान आदि से संबंधित अग्रिम को मंजूरी से है।

3. पात्रता

सभी कर्मचारी जो बोर्ड के कर्मचारी अनुसूची में आते हैं, वे सभी इन विनियमों के तहत अग्रिम की मंजूरी के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि ऐसे अग्रिमों की मंजूरी के लिए शर्तें निर्धारित की जाएंगी।

परन्तु जो कर्मचारी निलम्बन पर हैं, ऐसे कर्मचारी निलम्बन की अवधि के दौरान इन विनियमों के तहत अग्रिम की मंजूरी के लिए हकदार नहीं होंगे।

4. त्यौहार के लिए अग्रिम की मंजूरी

(1) 1 से 4 तक के सभी वर्गों के कर्मचारी पंचांग वर्ष में एक बार एक त्यौहार के लिए रु. 1500/- अग्रिम (ब्याज रहित) की मंजूरी के लिए पात्र हैं जिसे भुगतान किए गए माह के अगले से 10 मासिक सम किस्तों में काटा जाएगा।

(2) समय-समय पर अध्यक्ष द्वारा सूचित ऐसे त्यौहारों के लिए त्यौहार अग्रिम की मंजूरी दी जाएगी।

(3) त्यौहार की वास्तविक दिनांक से एक महीने के पहले निर्धारित फार्म में अग्रिम के लिए आवेदन करना होगा। त्यौहार की दिनांक के कार्य दिवस के पूर्व या त्यौहार के एक दिन पहले कर्मचारी त्यौहार अग्रिम की राशि को प्राप्त करेगा।

(4) सेवा निवृत्ति की प्रारम्भिक छुट्टी और अग्रिम के लिए आवेदन करते समय वेतन हानि छुट्टी पर हो को छाड़ कर जो छुट्टी पर है या म.पो.ट्र. (छुट्टी) विनियम, 1987 के तहत किसी भी प्रकार की छुट्टी पर हो केवल उन्हीं कर्मचारियों को अग्रिम की मंजूरी दी जाएगी बशर्ते कि मंजूरी प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि कर्मचारी की पर्याप्त सेवा शेष है और इस अवधि के दौरान अग्रिम को काट कर वसूल किया जा सकता है।

(5) अस्थाई/रैंक केजुअल कर्मचारी, त्यौहार अग्रिम की मंजूरी के समय भविष्य में दो वर्ष की सेवा रखने वाले दो स्थाई कर्मचारियों से बंधक पत्र भरेगे।

5. बाढ़/अकाल/तूफान जैसे प्राकृतिक संकट से संबंधित अग्रिम की मंजूरी

(1) बोर्ड के कर्मचारी अनुसूची में आने वाले सभी पदों के कर्मचारी बाढ़/अकाल/तूफान जैसे प्राकृतिक संकट से संबंधित ब्याज रहित अग्रिम की मंजूरी के लिए पात्र है।

(2) उपरोक्त अग्रिम की मंजूरी निम्नलिखित शर्तों पर होगी:—

(i) संबंधित राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार प्रभावित या क्षतिग्रस्त क्षेत्र को "प्राकृतिक संकट से प्रभावित" के रूप में सरकारी राजपत्र में घोषित करे।

(ii) कर्मचारी की क्षतिग्रस्त/नष्ट हुई सम्पत्ति चाहे वह चल हो या अचल हो वह संबंधित राज्य सरकार और केन्द्र सरकार द्वारा "प्राकृतिक संकट" के कारण प्रभावित या क्षतिग्रस्त के रूप में घोषित की गयी हो। लेकिन मद्रास शहर और परितः क्षेत्र में पानी की कमी के संकट से अग्रिम की मंजूरी के लिए बोर्ड निर्णय लेगा।

(iii) राजपत्र में सरकारी अधिसूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन महीनों के भीतर निर्धारित फार्म में अग्रिम के दावे के लिए आवेदन करना चाहिए बशर्ते कि उपरोक्त उप-विनियम (1) में बतायेनुसार कर्मचारियों को ऐसे अग्रिम की मंजूरी के लिए अध्यक्ष सूचित करेगा।

(iv) ऐसे हर संभावित अवसर पर सरकारी अनुमोदन के साथ इन विनियमों के तहत अग्रिम की राशि को बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

(v) इस प्रयोजन के लिए जब तक पिछला अग्रिम सम्पूर्णतः वापस नहीं किया जाता तब तक इसका और बाद के अग्रिम का भुगतान नहीं किया जाएगा। फिर भी जब आवश्यकता पड़े तब दूसरी बार अग्रिम की मंजूरी दी जा सकती है परन्तु अग्रिम की राशि पिछले अग्रिम से वापस की गई रकम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और कुल बकाया राशि इन विनियमों के उप विनियम (iv) के तहत निर्धारित सीमा से ज्यादा नहीं रहनी चाहिए।

(vi) अग्रिम की राशि को 24 मासिक सम किस्तों में कर्मचारी द्वारा अग्रिम की प्राप्ति के माह के बाद के माह के वेतन से काटा जाएगा। इस बात के बावजूद भी कर्मचारी द्वारा किस दिनांक को अग्रिम प्राप्त किया गया।

(vii) अस्थाई कर्मचारियों के मामलों में जिनके पद कर्मचारी अनुसूची में आते हैं उन्हें उपरोक्त अग्रिम की मंजूरी दी जाएगी बशर्ते कि उन्हें दावे के समय कम से कम ट्रस्ट में दो वर्ष की सेवा भविष्य में रखने वाले दो स्थाई कर्मचारियों से बंधक पत्र प्रस्तुत करना होगा।

(viii) रैंक केजुअलों के मामले में इन विनियमों के तहत उपरोक्त अग्रिम की मंजूरी का अधिकार अध्यक्ष को है बशर्ते कि वह अलग से आदेश जारी करे।

6. सामान्य शर्तें

(i) अग्रिम के आहरण के बाद किसी कारणवश कर्मचारी अग्रिम के आहरण के दिनांक से एक माह के भीतर इसे प्राप्त नहीं कर लेता तो यह अग्रिम मद्रास पोर्ट ट्रस्ट लेख में पुनः जमा कर दिया जाएगा। निर्धारित समय सीमा के बाद ऐसी राशि को अध्यक्ष की मंजूरी के साथ पुनः आहरण किया जाएगा।

(ii) जो कर्मचारी अग्रिम की मंजूरी के लिए आवेदन पत्र में गलत सूचना देते हुए पाये जाएंगे उन पर मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (वर्गीकरण), नियंत्रण और अपील) विनियम 1988 और मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (आचरण) विनियम 1987 के साथ पठित प्रावधानों के अनुसार दण्ड के भागी होंगे।

(iii) विभागाध्यक्ष कर्मचारियों के आवेदन पत्रों/बंधक पत्रों/गिरवी पत्र आदि को अग्रिम की समाप्ति या समायोजन होने तक अपने पास सुरक्षित रखेंगे।

(iv) सेवा निवृत्त या मृतक कर्मचारियों के मामलों में इन विनियमों के तहत स्वीकृत अग्रिम की बकाया राशि को, कर्मचारी का देय भविष्य निधि परिसंपत्ति या सेवा निवृत्त लाभों से काटा जाएगा।

7. फार्म और प्रक्रिया

इन विनियमों के तहत अपेक्षित फार्म जैसे जमानते, बंधक, और अन्य फार्मों और प्रक्रियाएँ अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए गए अनुसार होंगी।

8. व्याख्या

इन विनियमों को व्याख्या के रूप में किसी प्रश्न के उत्तर पर उसे बोर्ड के पास भेजा जाएगा और जिसका निर्णय अंतिम होगा।

9. छूट देने के लिए अधिकार

विशेष मामलों में इन विनियमों के किसी प्रावधान में छूट देने का अधिकार बोर्ड का ही है।

10. सरकारी नियमों या लागू करना

इन विनियमों में किसी भी बात के होते हुए भी, समय-समय पर संशोधित सामान्य वित्तीय नियम के प्रावधान और उस पर सरकारी आदेशों की अपनाया जाएगा जिसके लिए कोई ऐसे गणोद्घरणों या अपवादों पर निर्णय लेगा और सरकारी अनुमोदन प्राप्त करेगा।

11. निर्गमन और वचाव

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट के कर्मचारियों को अग्रिम की मंजूरी के लिए योजना के विद्यमान प्रावधानों और प्राकृतिक संकटों पर अग्रिम की मंजूरी के लिए प्रशासनिक अनुदेशों को जो इन विनियमों के आरम्भ होने के पहले लागू थे निरस्त किया जाता है।

परन्तु, उपरोक्त विनियमों के तहत की गई कार्रवाई या दिए गए कोई आदेश और प्राकृतिक संकट के कारण अग्रिम की मंजूरी के लिए आदेश दिये गए प्रशासनिक हो कोई होता इन विनियमों के सदृश प्रावधानों के तहत की गई या नही गई मानी जाएगी।

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (न्यौहार और प्राकृतिक संकट के लिए अग्रिम की मंजूरी) विनियम

म. पो. ट. कर्मचारी (न्यौहार और प्राकृतिक संकट के लिए अग्रिम की मंजूरी) विनियम के तहत विभिन्न प्रकार के अग्रिमों की मंजूरी के प्रयोजन के लिए मंजूरी प्राधिकारी

(कृपया विनियम 2(ई) को देखें)

क्र. सं.	विनियम	अग्रिम की प्रकृति	कर्मचारियों का वर्ग	मंजूरीदाता प्राधिकारी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	1	न्यौहार अग्रिम	विभागाध्यक्ष विभागाध्यक्ष को छोड़ कर वर्ग—1 और—2 के अन्य सभी अधिकारी वर्ग—3 व 4 के सभी कर्मचारी	अध्यक्ष/उपाध्यक्ष विभागाध्यक्ष जिसके-नियंत्रण में अधिकारी कार्यरत हैं। विभागाध्यक्ष या प्रभाग अधिकारी को विभागाध्यक्ष में एक स्तर नीचे हो और जिसने नियंत्रण में कर्मचारी काम करता हो।
2.	5.	वात/प्रकाश/बूफान भावि के लिए राहत अग्रिम	विभागाध्यक्ष विभागाध्यक्ष को छोड़ कर वर्ग—1 व 2 के अन्य अधिकारी वर्ग—3 व 4 के सभी कर्मचारी	अध्यक्ष उपाध्यक्ष विभागाध्यक्ष जिसके नियंत्रण में कर्मचारी काम कर रहे हों।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd February, 1994

G.S.R. 56(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963) the Central Government hereby approves the Madras Port Trust Employees' (Grant of Advance for Festival and Natural calamities) Regulations, 1994 made by the Board of Trustees for the Port of Madras and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR-12012/23/92-PE. I]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

MADRAS PORT TRUST

MADRAS PORT TRUST EMPLOYEES' (GRANT OF ADVANCES FOR FESTIVAL AND NATURAL CALAMITIES) REGULATIONS, 1994

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Madras Port Board hereby makes, the following regulation in replacement of the existing Scheme for the grant of advance.

1. Short title.—These regulations shall be called the 'Madras Port Trust Employees' (Grant of Advance for Festival and Natural calamities) Regulations, 1994.

2. Definition.—In these regulations, unless the context otherwise requires:—

- (a) 'Act' means the Major Port Trust Act, 1963;
- (b) 'Accounts Officer' means the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Board or such other Officer(s) from the Accounts Department as may be nominated on his behalf;
- (c) 'Board', 'Chairman', 'Deputy Chairman' and 'Heads of Departments' shall have the meanings respectively assigned to them in the Major Port Trusts Act, 1963;
- (d) Classes I, II, III and IV posts shall have the meanings as defined in the 'Schedule of Employees' issued by the Board from time to time.
- (e) 'Sanctioning Authority' for the purpose of these regulations shall be as prescribed in the Schedule attached to these regulations; and
- (f) 'Advances' for the purposes of these regulations shall mean the grant of festival advance and grant of advance in connection with Natural calamities like Flood/Drought/Cyclone etc.

3. Eligibility.—All employees borne on the Schedule of Employees of the Board shall be eligible for the grant of advances covered under these regulations subject to the terms and conditions stipulated for the grant of such advances

Provided that employees under suspension are not entitled for the grant of advances under these regulations during the period of suspension.

4. Grant of advance for the Festivals—(1) All Classes I to IV employees are eligible for grant of an interest-free advance of Rs. 1500 for only one festival in a calendar year which is recoverable in 10 equal monthly instalments commencing from the issue of pay for the month following that in which such advance is drawn.

(2) Festival advance shall be granted only in respect of such festivals as may be notified by the Chairman from time to time.

(3) The advance shall be applied in the prescribed form one month in advance of the actual date of the festival. The amount of festival advance should be received by the employee before or on the working day prior to the date of festival.

(4) The advance will be granted only to those employees who are on duty or on leave of any kind under the Madras Port Trust (Leave) Regulations, 1987 excluding leave preparatory to retirement and to those who are on leave on loss of pay at the time of applying for advance provided that the sanctioning authority is satisfied that the employee has enough service before him during which period recovery of advance could be completed.

(5) Temporary/Rank Casual employees should execute a surety bond from two permanent employees who have at least two years of future service at the time of grant of festival advance.

5. Grant of advance in connection with Natural calamities like Flood/Drought/Cyclone etc.

(1) All employees whose posts are borne in the Schedule of Employees of the Board are eligible for the grant of interest-free advance in connection with natural calamities like Flood/Drought/Cyclone etc.

(2) The grant of the aforesaid advance is subject to the following conditions:—

- (i) The damaged/lost property of the employees whether movable or immovable should be within the area which is declared to have been affected or damaged by 'Natural Calamity' by the concerned State Government and Central Government. However in case of instances of water scarcity in Madras City and suburban areas, the question of grant of any Advance will be decided by the Board.
- (ii) The claim for advance should be applied in the prescribed application within three months from the date of Government's Notification in the Gazette provided the Chairman notifies the sanction of such advance to the employees of the Board referred to in sub-regulation (1) above.
- (iii) The quantum of advance under this Regulation shall be fixed by the Board with the approval of Government on each occasion of such contingency.
- (iv) A second and subsequent advance on this account shall not be paid unless the earlier advance is fully repaid. However, the grant of second advance when become necessary may be sanctioned in such a way that the quantum of second advance does not exceed the amount repaid against earlier advance and the total outstanding amount shall not exceed the limit prescribed under sub-regulation (iv) above of this regulation.
- (v) The amount of advance shall be recoverable in 24 equal monthly instalments commencing from the salary of the month following the month in which the advance is granted irrespective of the date of receipt of the advance by the employee.
- (vi) In the case of temporary employees whose posts are borne on the Schedule of Employees, the said advance may be granted subject to their furnishing surety from two permanent employees of the Trust who are having atleast two years of future service in the Trust at the time of claim.
- (vii) In the case of Rank Casuals, the Chairman reserves the right to grant the aforesaid advance under this

Regulation subject to issue of separate orders by him.

6. General conditions.—(1) The advances drawn but not received by the employee for any reason within one month from the date of drawal should be credited back to Madras Port Trust Accounts. The redrawing of such amount after the prescribed time limit shall be done with the sanction of the Chairman.

(2) The employees who are found to have given false declaration in the application form for the grant of advances are liable to be penalised as per the provisions of the Madras Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1988 read with Madras Port Trust Employees' (Conduct) Regulations, 1987.

(3) The Heads of Departments shall preserve the application forms/surety forms/mortgage bonds etc. of the employees till the advances are liquidated or adjusted.

(4) In the case of retirement or death of an employee, the outstanding amount towards the grant of advances under these Regulations shall be recoverable from the Provident Fund Assets or retirement benefits due to the employee.

7. Forms and Procedure.—The forms such as surety bond, hypothecation deed and other forms required under these Regulations and the procedures thereon shall be as prescribed by the Chairman from time to time.

8. Interpretation.—If any question arises as to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Board whose decision thereon shall be final.

9. Power to relax.—The power to relax any of the provisions of these regulations in exceptional cases shall vest with the Board.

10. Government's Rules to apply.—Notwithstanding anything contained in these regulations, the provisions of the General Financial Rules as amended from time to time and Government Orders thereon shall be adopted with such modifications or exceptions as the Board may decide, with the prior approval of Central Government, pending formal amendment to these Regulations.

11. Repeal and Saving.—The provisions of the existing 'Scheme for the grant of advances to the employees of the Madras Port Trust' and the Administrative instructions on grant of advances on natural calamities which were in force immediately before the commencement of these regulations are hereby repealed.

Provided that any order made or any action taken under the provisions of the aforesaid scheme and the administrative instructions on grant of advances on natural calamities so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these regulations.

SCHEDULE TRUST EMPLOYEES' (GRANT OF ADVANCES FOR FESTIVAL AND NATURAL CALAMITIES) REGULATIONS

Sanctioning Authorities for the purpose of grant of various kinds of advances under the MPT Employees' (Grant of Advances for Festival and Natural Calamities) Regulations [Please see Regulation 2(e)]

Sl. No.	Regulation	Nature of Advance	Categories of employees	Sanctioning Authority
1	2	3	4	5
1.	4	Festival Advance	Heads of Departments. All Classes I and II Officers other than Heads of Departments. All Classes III and IV employees	Chairman/Deputy Chairman. Heads of Departments under whose control, the officers are working. Heads of Departments or the Divisional Officers one level below the Heads of Departments under whose control the employees are working,
2.	5	Flood/Drought/Cyclone etc. Relief Advance	Heads of Departments. All Classes I and II Officers other than Heads of Departments All Classes III and IV employees	Chairman. Deputy Chairman. Heads of Departments under whose control the employees are working.

288 GI/94—2

